दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला

शिमला: हिमाचल प्रदेश की राजधानी और पहाड़ों की नगरी शिमला में क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, शिमला के सहयोग से केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली ने होटल हॉलिडे होम में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन 03 और 04 मई 2018 को किया। कार्यशाला का उद्देश्य 'हिंदी भाषा: प्रभाव एवं महत्व' विषय पर चिंतन के साथ साथ कार्यालय में हिंदी में कार्य करने में होने वाली कठिनाइयों को दूर करना था। इस कार्यशाला में परिषद् की उत्तरी क्षेत्र की परिधीय इकाईयों/संस्थानों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री कुलदीप अग्निहोत्री माननीय कुलपति केंद्रीय विश्वविद्यालय,हिमाचल प्रदेश ने किया। डॉ. सुनील रामटेक, प्रभारी अधिकारी, शिमला ने स्वागत भाषण द्वारा सभी का स्वागत किया। आयुष मंत्रालय के प्रतिनिधि एवं वक्ता के रूप में श्री के.सी. भट्ट, सहायक निदेशक(राजभाषा) कार्यशाला में उपस्थित थे। इस अवसर पर हिंदी अनुभाग, के.हो.अ.प द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'स्वरा' का विमोचन भी किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न सत्रों के माध्यम से विभिन्न विद्वानों ने प्रतिभागियों के साथ अपने विचार साझा किये। श्री हरि ओम कौशिक,सहायक निदेशक(प्रशासन) ने हिंदी के लिखित अभ्यास पर बल देते हुए अभ्यास सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओ का निदान किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन समापन समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पूर्णिमा चौहान, भारतीय प्रशासनिक सेवा, सचिव, संस्कृति, भाषा एवं कला विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार उपस्थित थी। धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए डॉ. बिंदु शर्मा, हिंदी अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओ और समानित अतिथियों का कार्यशाला को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में इस प्रकार की और कार्यशालाओ के आयोजन का आश्वासन दिया।

उद्घाटन समारोह के दौरान दीप प्रज्जवलन करते हुए कार्यक्रम के मुख्या अतिथि श्री कुलदीप अग्निहोत्री माननीय कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय,हिमाचल प्रदेश

समारोह के दौरान हिंदी अनुभाग, के.हो.अ.प द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'स्वरा' का विमोचन

समूह चित्र